Regarding diseases due to polluted water in western Uttar Pradesh

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **(**मुजफ़्फ़रनगर**) :** माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन व सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, खासकर मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बिजनौर, मेरठ, बागपत जिलों में कैंसर, हार्ट अटैक और लीवर फेल्योर जैसी घातक बीमारियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है । इतनी भारी संख्या में कैंसर, हृदय रोग, पक्षाघात आदि बीमारियों का कारण प्रदूषण है । मुजफ्फनगर, शामली, बिजनौर, बागपत और मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थापति कुछ उद्योग, जो बड़े स्तर पर वायु और जल प्रदूषण फैलाते हैं । इसके साथ ही, वे भू-जल को भी दूषित करते हैं । इंडिया मार्क-II हैंडपम्प का जल भी चार घंटे में पीला या काला हो जाता है । प्रदूषण विभाग इन उद्योगों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने में असमर्थ है । लोग मर रहे हैं । वे अपना बहुमूल्य जीवन खो रहे हैं । पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐसा कोई गांव नहीं बचा है, जहाँ पाँच से दस रोगी इन बीमारियों से ग्रस्त न हों ।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन रोगों की चिकित्सा के इंतजाम न होने की वजह से मरीज एम्स, दिल्ली व एम्स, ऋषिकेष जाते हैं । वहाँ भारी के कारण उनको छ: महीने से लेकर दो वर्षों तक का समय मिलता है, तब तक उनकी जीवनलीला समाप्त हो जाती है । मरीज के इलाज और आवाजाही में भारी खर्च होता है । इससे रोगियों की मृत्यु-संख्या में वृद्धि होती है और उनको भारी खर्च का भी सामना करना पड़ता है ।

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी सरकार द्वारा बनाये गये एक हजार बेड का अस्पताल खाली पड़ा है । वहाँ आज तक डॉक्टरों की पोस्टिंग नहीं की गई है ।

यही नहीं, फसलों के द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रेज़र्वेटिव्स और नाइट्रोबेंजिन के प्रयोग से कैंसर बड़े स्तर पर फैल रहा है ।

माननीय सभापति **:** आपकी डिमांड आ गई है । आप कृपया बैठ जाइए ।

श्री गौरव गोगोई जी ।